हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 92 | देहरादून, शुक्रवार, 29 सितंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

मोदी जी के नेतृत्व में गरीब उत्थान व कल्याण का संकल्प हो रहा सिद्ध : रेखा आर्या 3

लंदन में तीसरे दिन 3 हजार करोड़ के इन्वेस्टमेंट एमओयू साइन हुए : सीएम

आगर टेक्नोलॉजी के साथ 2 हजार करोड़ और फ़िरा बार्सिलोना के साथ एक हजार करोड़ का एमओयू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लंदन , 29 सितंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के ब्रिटेन दौरे के तीसरे दिन भी दुनियाभर के कई निवेशकों के साथ बैठकों का दौर जारी रहा। लंदन मे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हेतु आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में उत्तराखण्ड सरकार द्वारा दो कंपनियों के साथ 3 हजार करोड़ के इन्वेस्टमेंट एमओयू साइन किए गए जा चुके हैं। जिसमें आगर टेक्नोलॉजी के साथ 2 हजार करोड़ का एमओयू साइन किया गया। आगर टेक्नोलॉजी द्वारा उत्तराखण्ड में लिथियम बैटरी प्लांट्स में निवेश करने की सहमति जताई गई। इसी क्रम में आज फ़िरा बार्सिलोना के साथ 1 हजार करोड़ का एमओयू साइन किया गया। फ़िरा बार्सिलोना यूरोप का प्रतिष्ठित ग्रुप है जो कि कन्वेंशन सेंटर और इवेंट्स मैनेजमेंट में काम करती है। ये विश्वस्तरीय विजनेस फेयर कराने की दक्षता रखते हैं। प्रदेश सरकार की ओर से सचिव उद्योग विनय शंकर पांडेय ने एसमओयू में साइन किए।

इज माई ट्रिप के साथ भी हुए दो एमओयू, ओटीए बनाए जाने

पर्यटन के लिए विश्व में उत्तराखंड का प्रमोशन करने पर बनी सहमति

मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेशों में रह रहे उत्तराखंड के प्रवासी भाई बहन , उत्तराखंड के ब्रांड एंबेसडर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लंदन भ्रमण बहुत ही सफल रहा है। निवेशकों से उत्साहवर्धक बात हुई है। निवेश पर महत्तवपूर्ण एमओयू हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव है। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य का विकास हुआ है। राज्य सरकार ने 27 नीतियां बनाई है। लैंड बैंक भी तैयार किया है। मुख्यमंत्री ने निवेशकों से उत्तराखंड में आकर निवेश करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर प्रकार का सहयोग निवेशकों और उद्यमियों को देगी। इसके अतिरिक्त इज माई ट्रिप के साथ भी दो एमओयू किए गए। इसमें राज्य समर्थित ओटीए (ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर) बनाए जाने और पर्यटन के लिए विश्व में उत्तराखंड का प्रमोशन करने पर इज माई ट्रिप ने सहमति दी। इससे बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इस दौरान सचिव मुख्यमंत्री डा0 आर मीनाक्षी सुंदरम, महानिदेशक उद्योग रोहित मीणा समेत प्रतिनिधि मंडल के अन्यपदाधिकारी एवं निवेशक मौजूद रहे।

राज्यपाल ने सीमान्त गाँव मलारी में जवानों का हौसला बढ़ाया

■ श्री बद्रीनाथ मन्दिर में पूजा अर्चना कर की सम्पूर्ण विश्व एवं मानवता के कल्याण की कामना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 29 सितंबर , महामहिम राज्यपाल उत्तराखंड, लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने जनपद चमोली के सीमान्त गांव मलारी का दौरा किया । इस दौरान ITBP के अधिकारियों, स्थानीय निवासियों व महिलाओं द्वारा अपने पारंपरिक परिधानों व वेषभूषा में नृत्य कर महामहिम राज्यपाल उत्तराखंड का स्वागत किया । राज्यपाल द्वारा सीमांत गांव मलारी में पर्यटन की अपार संभावनाएं बताते हुए, स्थानीय महिलाओं के पहाड़ी व्यंजनों, उत्पादों व हस्तशिल्पों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि स्वरोजगार के साथ ही पारंपरिक धरोहरों और सांस्कृतिक परंपराओं को भी संरक्षित किया जाना चाहिए। इसके बाद ITBP के जवानों से मिलकर उनका हाल चाल जाना एवं विषम भौगोलिक परिस्थितियों में भी सीमा पर डटे जवानों का हौसला भी

बढ़ाया।तत्पश्चात राज्यपाल के श्री बदरीनाथ धाम पहुंचने पर वीआईपी हेलीपैड पर जिलाधिकारी चमोली हिमांशु खुराना एवं पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यादव द्वारा उनका स्वागत किया गया। चमोली पुलिस के जवानों द्वारा बेहतरीन सेरिमोनियल यूनिफॉर्म में शानदार सलामी दिए जाने पर रगार्द जवानोंर के टर्नआउट व शस्त्र कवायद की सराहना की गयी।

श्री बद्रीनाथ मन्दिर में विशेष पूजा अर्चना कर राज्यपाल द्वारा सम्पूर्ण विश्व एवं मानवता के कल्याण के कामना की गयी। जिलाधिकारी चमोली द्वारा राज्यपाल को श्री बद्रीनाथ धाम में विभिन्न चरणों में होने वाले निर्माण कार्यों एवं आने वाले समय में होने वाले कार्यों की जानकारी दी गयी। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक चमोली प्रमोद शाह, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन/यातायात नताशा सिंह सहित प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तराखंड : अपग्रेड होगा 30 साल पुराना जोशीमठ-औली रोपवे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 29 सितम्बर : गढ़वाल मंडल विकास निगम जोशीमठ-औली रोपवे को अपग्रेड कर अत्याधुनिक बनाने की योजना बना रहा है। निगम की ओर से जल्द इस संबंध में सरकार से वार्ता की जाएगी। यदि सब कुछ ठीक रहा तो जल्द यह रोपवे नए फ्लेवर और नई तकनीक के साथ संचालित होगा। इससे जहां ज्यादा से ज्यादा पर्यटक कम समय में आवागमन कर सकेंगे, वहीं निगम की आय में भी वृद्धि होगी।

दरअसल अभी जोशीमठ-औली रोपवे 30 साल पुरानी तकनीक से संचालित होता है। औली जाने वाले पर्यटकों की पहली पसंद रोपवे ही होता है। खासकर सर्दियों में हिमाच्छादित औली की वादियों को रोपवे से देखना एक शानदार अनुभव होता है। शीतकाल में जब यहां अच्छी बर्फ पड़ती है तो रोपवे के टिकटों के लिए मारामारी रहती है। घंटों इंतजार के बाद भी कई पर्यटकों को रोपवे के टिकट नहीं मिल पाते हैं।इधर प्रदेश सरकार औली के साथ गोरसों को भी विकसित करने की तैयारी कर रही है। ऐसे में यहां पर्यटकों की संख्या और ज्यादा बढ़ जाएगी, लेकिन जोशीमठ-औली रोपवे के लिए इतने पर्यटकों का दबाव उठाना

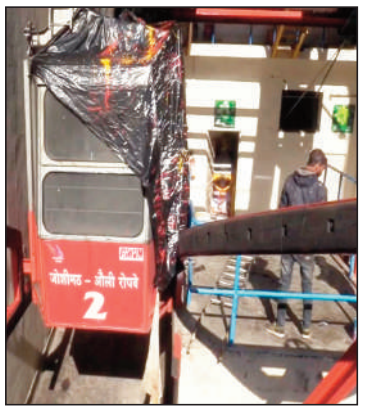

संभव नहीं हो पाएगा। इसे देखते हुए गढ़वाल मंडल विकास निगम इस रोपवे को आधुनिक तकनीक से संचालित करने की योजना बना रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को इसका लाभ मिल पाए। जोशीमठ में भू-धंसान के समय से रोपवे का संचालन बंद किया हुआ है। एक नंबर टावर के पास भू-धसाव के खतरे को देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से इसे बंद कर दिया गया था। रोपवे कब तक संचालित हो पाएगा अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

सिर्फ 5 हजार रुपये में कीजिए उत्तराखंड की सैर !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 सितंबर , अगर आप काम से ब्रेक लेकर शांति और प्रकृति का आनंद लेना चाहते हैं तो उत्तराखंड जा सकते हैं। यहां की खूबसूरत वादियां और पहाड़ों की खूबसूरती देखकर आप अपनी सारी थकान भूल जाएंगे। वैसे तो उत्तराखंड में घूमने के लिए कई जगहें हैं लेकिन आज हम आपको ऐसी जगहों के बारे में बताएंगे जहां आप कम पैसे में घूम सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ जगहों के बारे में।

ऋषिकेश :

ऋषिकेश उत्तराखंड की सबसे पॉपुलर जगह है। हर साल न केवल भारत से बल्कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक यहां घूमने आते हैं।आप यहां कई तरह के एडवेंचर एक्टिविटी का आनंद ले सकते हैं, जैसे- बंजी जंपिंग, रिवर राफ्टिंग आदि। यहां पर ऐसे कई आश्रम मिल जाएंगे जहां आप मुफ्त में रह सकते हैं।

रानीखेत

रानीखेत भी उत्तराखंड के खूबसूरत हिल स्टेशनों में से एक है। यहां चर्च और गोल्फ कोर्स देखने के लिए पर्यटक दूर-दूर से आते हैं। आप अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी से ब्रेक लेकर यहां आकर सुकून महसूस कर सकते हैं। यहां आकर आप अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी से ब्रेक लेकर सुकून महसूस कर सकते हैं और यहां घूमने में ज्यादा खर्च भी नहीं आएगा।

भीमताल

आप कम बजट में उत्तराखंड स्थित भीमताल का भी प्लान बना सकते हैं। इसके चारों ओर बहुत सारी प्राकृतिक सुंदरता है। यहां कई मंदिर हैं जहां आप घूम सकते हैं, इसके अलावा यहां खूबसूरत झील भी है। यकीनन आपको यहां आकर बहुत ही अच्छा लगेगा।

अल्मोड़ा

उत्तराखंड में स्थित अल्मोडा कम बजट में घूमने के लिए अच्छी जगह है। यह हिल स्टेशन पहाड़ियों से घिरा हुआ है। इसकी खूबसूरती देखने लायक है। इसके अलावा यहां कई मंदिर भी हैं जहां आप जाकर दर्शन कर सकते हैं। इस जगह पर आकर आप कुछ सुकून भरे पल बिता सकते हैं।

चोपटा

चोपटा को मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से भी जाना जाता है। आप यहां आकर ट्रैकिंग और एडवेंचर एक्टिविटीज कर सकते हैं। इस जगह की खूबसूरत पहाड़ियां आपका मन मोह लेंगी। चोपटा आने के लिए आपको ज्यादा खर्च नहीं करना पड़ेगा।

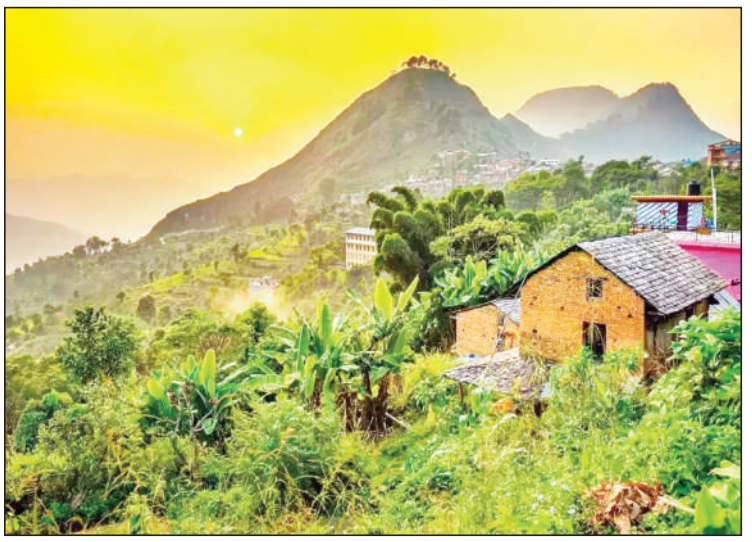

मनुष्य की आत्मा कब करती है प्रेत योनि में प्रवेश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 सितंबर , सनातन धर्म में गरुड़ पुराण का बहुत ही अधिक महत्व होता है। इस पुराण में जन्म से लेकर मृत्यु तक सारी बातें बताई गई है। गरुड़ पुराण में भगवान विष्णु और पक्षीराज गरुड़ के संवाद के बारे में बताया गया है। इस ग्रंथ में पाप-पुण्य, नीति-नियम, आत्मा, पुनर्जन्म, मृत्यु और जन्म आदि के बारे में बताया गया है। गरुड़ पुराण के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है तो उस व्यक्ति की आत्मा मनुष्य योनी से प्रेत योनि में कैसे प्रवेश करती है। इसके बारे में विस्तार से जानेंगे।

जानें क्या है प्रेत योनि

गरुड़ पुराण के अनुसार, जब किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है, तो आत्मा उसके शरीर को त्याग करती है। आत्मा जब शरीर त्याग करती है, तो उसमें भूख, प्यास, क्रोध, वासना और द्वेष आदि का भाव आने लगता है। गरुड़ पुराण में बताया गया है कि इस सृष्टी में कुल 84 लाख योनियों हैं। जिसमें पशु योनि, वृक्ष योनि, किड़े-मकौड़े की योनि और मनुष्य की योनि आदि होते हैं। ऐसी मान्यता है कि किसी भी व्यक्ति के मृत्यु के बाद उसकी आत्मा किस योनि में जाएगी उसके कर्मों पर निर्भर करता है।

गरुड़ पुराण के अनुसार, बुरे कर्मों वाले लोगों की आत्मा मृत्यु लोक में ही भटकती रहती है। वहीं जिस व्यक्ति की मृत्यु आत्महत्या, हत्या या किसी दुर्घटना आदि के कारण होती है, तो वैसे व्यक्ति की आत्मा शरीर को प्राकृतिक रूप से त्याग नहीं करती है, तो उस समय आत्मा प्रेत योनि में चली जाती है।

जानें प्रेत योनि का क्या है रहस्य

गरुड़ पुराण के अनुसार, जब किसी व्यक्ति की अचानक या किसी दुर्घटना से मृत्यु हो जाती है तो उसके आत्मा को शांति नहीं मिलती है। ऐसे में आत्मा प्रेत योनि में भटकती रहती है। इसके साथ ही जब किसी व्यक्ति की आत्मा अपने शरीर को प्राकृतिक रूप से त्याग नहीं करती है, तो उस समय भी आत्मा प्रेत योनि में भटकती रहती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कहा जाता है कि जब किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तो उसके बाद मृतक की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान और श्राद्ध किया जाता है। ऐसा करने के पितरों की आत्मा की शांति मिलती है।

यहाँ आत्मा घर में ही रहती है, अंतिम संस्कार नहीं होता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 सितंबर , अलग-अलग देशों की अपनी अलग-अलग मान्यताएं, परंपराएं और प्रथाएं होती हैं. उनका रहन-सहन और जीवन जीने का तरीका भी बाकी देशों से काफी अलग होता है. कई देशों में तो अंतिम संस्कार के नियमों में भी भिन्नताएं देखी जाती हैं. आमतौर पर जब भी किसी व्यक्ति की मौत होती है तो या तो उसे अग्नि के हवाले किया जाता है या दफनाया जाता है. हालांकि एक देश ऐसा भी है, जहां के पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोग मरने वाले लोगों का अंतिम संस्कार नहीं करते. जी हां आप सही सुन रहे हैं. यहां के लोग अंतिम संस्कार करने के बजाय अपनों की डेड बॉडी को ममी बनाकर सुरक्षित रखते हैं.

यह देश कोई और नहीं बल्कि इंडोनेशिया है. इंडोनेशिया के पहाड़ी इलाके में रहने वाले तोराजा जनजाति के लोग यह काम करते हैं. वह अपनों की डेड बॉडी का ख्याल ऐसे रखते हैं, जैसे कि वह जिंदा हों. इस जनजाति के लोगों का मानना है कि जब किसी व्यक्ति की मौत हो जाती है तो उसकी आत्मा घर में ही रहती है. यही वजह है कि वे डेड बॉडी को वो हर चीज देते हैं, जो जीवित रहने पर वह इस्तेमाल करते थे, जैसे- कपड़े, खाना, पानी, सिगरेट आदि.

क्या शव सड़ता नहीं ?

अब आपके दिमाग में यह सवाल आ रहा होगा कि डेड बॉडी तो वक्त के साथ सड़ने और गलने लगती है तो इसे सड़ने से बचाया कैसे जाता होगा. दरअसल डेड बॉडी को सड़ने से बचाने के लिए यहां के लोग उनकी त्वचा पर फॉर्मेल्डिहाइड और पानी की कोटिंग लगाते हैं. हालांकि जहां तक सवाल मृत शरीर से बदबू आने का है, तो इसका भी जुगाड़ उन्होंने खोज रखा है. बदबू न आए, इसके लिए यहां के लोग मृत शरीर के पास सूखे पौधे रखते हैं.

डेड बॉडी का रखते हैं ख्याल

तोराजा जनजाति के लोगों को बहुत छोटी उम्र से ही डेथ को फेस करने के लिए तैयार कर दिया जाता है. घर के लोग डेड बॉडी को रोजाना खाना खिलाते हैं और उन्हें घर के एक कमरे में तब तक सुरक्षित रखते हैं, जब तक अंतिम संस्कार के लिए उनके पास पैसे इकट्ठे न हो जाएं. जब अंतिम संस्कार का वक्त आता है तो लोग डेड बॉडी को पत्थर की कब्र में दफनाते हैं. हालांकि ऐसा नहीं है कि वह दफनाकर अपनों को भूल जाते हैं. वह Ma'nene नाम के एक अनुष्ठान के लिए कुछ समय के बाद डेड बॉडी को कब्र से बाहर निकालते हैं और उसे अच्छे से साफ करते हैं. मृत शरीर को धोकर उसे साफ कपड़े पहनाए जाते हैं और कुछ देर के लिए धूप में सूखने के लिए रखा जाता है.

शव के साथ लेते हैं सेल्फी

यह सब करके सभी रिश्तेदारों और जानने वालों को बुलाया जाता है और दावत रखी जाती है. युवा लोग अपने पूर्वजों से मिलते हैं और उनकी डेड बॉडी के साथ सेल्फी लेते हैं. जब अनुष्ठान पूरा हो जाता है तो शव को वापस ताबूत में रख दिया जाता है. अनुष्ठान की यह प्रथा यहां सदियों से चली आ रही है.

क्या है मान्यता ?

दरअसल ऐसा कहा जाता है कि पोंग रुमासेक नामक एक शिकारी तोराजा की इन पहाड़ियों पर भ्रमण किया करता था. एक दिन उसे एक पेड़ के नीचे किसी की लाश पड़ी हुई मिली. उसने लाश की हड्डियों को अपने पास मौजूद कपड़े में रखा और उसे जमीन में दफना दिया. माना जाता है कि ऐसा करने के बाद उस शिकारी को जीवन भर भाग्यशाली और धनवान रहने का आशीर्वाद मिला. तोराजा जनजाति के लोग यह मानते हैं कि अगर वे अपने पूर्वजों का ख्याल रखेंगे और उनकी देखभाल करेंगे तो उन्हें भी आशीर्वाद मिलेगा.

मोदी जी के नेतृत्व में गरीब उत्थान व कल्याण का संकल्प हो रहा सिद्ध : रेखा आर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ कैबिनेट मंत्री व सोमेश्वर विधायक रेखा आर्या ने एससी बाहुल्य बस्ती में किया जनसंपर्क अभियान, लोगो को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से कराया अवगत

अल्मोड़ा 29 सितम्बर : सोमेश्वर विधानसभा के मंडल सोमेश्वर में कैबिनेट मंत्री व विधायक रेखा आर्या ने बस्ती जनसंपर्क अभियान के तहत अपनी सोमेश्वर विधानसभा मंडल स्थित ग्राम सभा दुमदगाँव में एससी बाहुल्य ग्रामसभा मे जनसम्पर्क किया जहाँ उनका पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किस कैबिनेट मंत्री ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज भारतीय जनता पार्ट की केंद्र व राज्य सरकार लगातार जनहित में कार्य कर रही है जिसके कारण गरीब उत्थान व कल्याण का संकल्प सिद्ध हो रहा है। गरीबों, दलितों व वंचितों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना वर्तमान सरकार की प्राथमिकता है।

मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर जी ने कहा था कि राजनीतिक लोकतंत्र के आधार में अगर सामाजिक लोकतंत्र नहीं होगा तो यह टिक नहीं सकता।उन्होंने कहा कि समावेश के साथ सामाजिक न्याय हमारे संविधान की प्रमुख विशेषता है और सरकार का फोकस भी गरीबों और पिछड़ों पर है।

आज प्रधानमंत्री ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति उत्पीड़न रोकथाम कानून को उपयुक्त संशोधनों के जरिए मजबूत बनाया है जो गरीबों के प्रति उनकी दूरदर्शिता को दर्शाता है,आज प्रधानमंत्री द्वारा गरीब कल्याण हेतु ₹प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना₹ शुरु की गई जिसके लाभ निश्चित रूप से गरीब तबके को होगा।₹विश्वकर्मा योजना₹ के अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी भारत के 18 पारंपरिक व्यवसायों को नया जीवन दिया जाएगा,इनमें कुम्हार, बढ़ई, लोहार, सुनार, दर्जी, मोची, नाई, मूर्तिकार आदि के साथ नाव बनाने वाले कारीगर भी शामिल हैं! ये वे उद्यम हैं जो एक विशेष तरह के हुनर और भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित हैं और गरीबों, दलितों व वंचितों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना वर्तमान सरकार की प्राथमिकता है।आजादी के बाद भी जिन गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा प्राप्त नहीं था और यहां के लोगों को वोट देने का भी अधिकार नहीं था, उन्हें हमारी सरकार ने यह अधिकार प्रदान किया।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अंजली जोशी जी,जिला मंत्री वंदना आर्या जी,मंडल महामंत्री जीवन लाल शाह जी,विधायक प्रतिनिधि भुवन जोशी जी,जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भूपाल मेहरा जी सहित समस्त कार्यकर्ता मातृशक्ति जनता उपस्थित रही।

शहरी विकास विभाग में 226 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को मिलेंगे नियुक्ति पत्र : मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ मुख्यमंत्री धामी की अध्यक्षता में कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल सौंपेंगे जॉइनिंग लेटर

उत्तराखंड 29 सितम्बर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आगामी 01 अक्टूबर को शहरी विकास मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल प्रदेश के नगर निगमों सहित विभिन्न निकायों में 226 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। मंत्री डा. अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में 102 स्थानीय नगर निकायों में समूह ग के अन्तर्गत कनिष्ठ सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर, राजस्व मोहर्रिर, कर संग्रहकर्ता के पदों के लिए उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा भर्ती की गई है, जिसमें चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए जाने हैं।

मंत्री डॉ. अग्रवाल ने बताया कि कनिष्ठ सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर में 7r8 पदों, जबकि राजस्व मोहर्रिर, कर संग्रहकर्ता के पदों में 148 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार कुल 226 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी की अध्यक्षता में एक अक्टूबर को मुख्य सेवक सदन में नियुक्ति पत्र प्रदान किये जाएंगे। मंत्री डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश के नगर निगमों सहित विभिन्न निकायों में कुल 226 चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति सरकार द्वारा किये जाने से निकायों में कार्मिकों की कमी को दूर किया गया है। उन्होंने कहा कि इन कर्मियों की नियुक्ति होने से निकायों के दैनिक कार्य सम्पादन में आ रही कठिनाईयों का समाधान किया गया है। बताया कि निकायों में कर संग्रहकर्ता की नियुक्ति होने से निकायों की आय में वृद्धि होगी।

दुनिया में 'एक्स' नाम की बीमारी ने दहशत फैलाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 सितंबर , कोविड-19 के बाद अब दुनिया में 'एक्स' नाम की बीमारी ने दहशत फैला दी है। ब्रिटेन के एक हेल्थ एक्सपर्ट केट बिंघम ने द डेली मेल से इंटरव्यू में बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि यदि यह बीमारी फैली तो 20 मिलियन यानी 5 करोड़ लोगों की जान जा सकती है। इससे निपटने के लिए दुनिया अभी तैयार नहीं है। यह एक बड़ी चिंता है। डिजीज एक्स से निपटने में टीकों का निर्माण और उनका डिस्ट्रीब्यूशन काफी महत्वपूर्ण है। हालांकि यह बीमारी कब महामारी का रूप लेगी, इस पर संशय बना हुआ है।

कब आएगी महामारी, अभी इसे बताना जल्दबाजी

केट बिंघम का कहना है कि अभी इस महामारी की सटीक प्रकृति की अनिश्चितता बनी हुई है। कब फैलेगी, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस बीमारी को 'डिजीज एक्स' नाम दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस उभरते खतरे से निपटने के लिए ब्रिटेन और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय दोनों में पर्याप्त तैयारियों की कमी चिंताजनक है।

तो टूटेगा प्रथम विश्व युद्ध की मौत का आंकड़ा

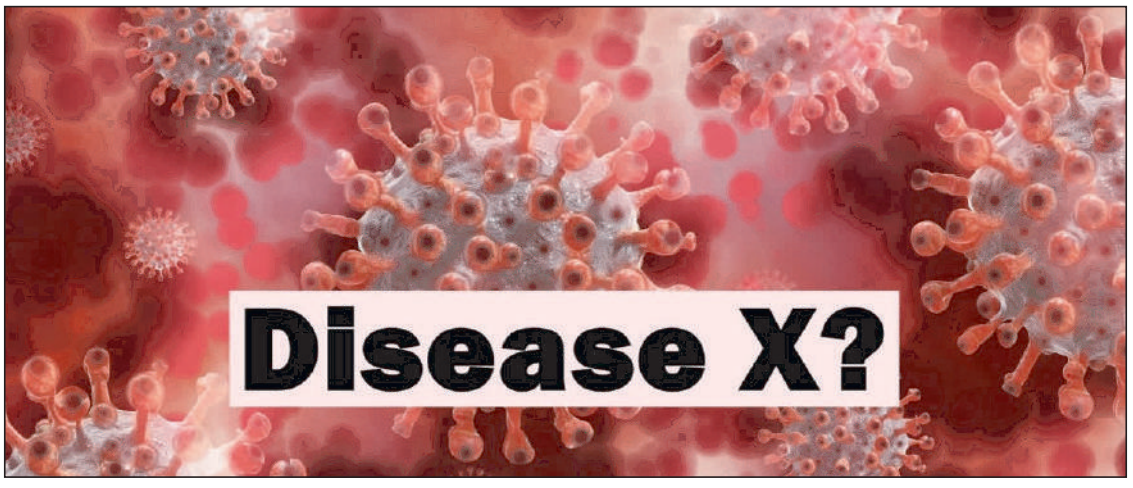

हेल्थ एक्सपर्ट केट बिंघम ने 2020 में मई और दिसंबर के बीच यूके के वैक्सीन टास्कफोर्स की अध्यक्षता की थी। उन्होंने कहा कि 1918-19 में फ्लू से दुनियाभर में 5 करोड़ लोगों की जान गई थी। यह प्रथम विश्व युद्ध में मारे गए लोगों की तुलना में दोगुना थी। डिजीज एक्स से मौत से यह आंकड़ा टूट सकता है।

प्रोटोटाइप टीकों को बनाना होगा

केट का मानना है कि हम कोविड-19 के मामले में भाग्यशाली रहे। कोविड से दुनियाभर में करीब 2 करोड़ लोगों की जान गई। अधिकतर लोग ठीक हो गए। लेकिन एक्स रोग में मृत्यु दर 67 फीसदी से अधिक है। दुनिया में कहीं न कहीं यह फैल रहा है। देर-सबेर कोई न कोई बीमार महसूस करने लगेगा। उन्होंने कहा कि अगली महामारी की शुरुआत से पहले वैज्ञानिकों को हर खतरनाक वायरस परिवार के लिए अलग-अलग प्रोटोटाइप टीकों को इजाद करना होगा।

पीएम ने तैयारी करने का दिया निर्देश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी संभावित खतरे को लेकर चिंतित हैं। जब वे गुजरात में G20 स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे तो उन्होंने सभी से अगली हेल्थ इमरजेंसी को रोकने और तैयारी करने करने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि हमें अगली महामारी को रोकने, तैयार करने और प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह आज के समय में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

पीएसी प्रशिक्षु ने बिछड़े बच्चे को मां से मिलवाकर दिखाई सूझबूझ

देहरादून , 29 सितंबर , उर्स मेले के अवसर पर 40 वाहिनी पी0ए0 सी0 के आरक्षी प्रशिक्षु पिंटू शर्मा और आरक्षी प्रशिक्षु दीक्षित कुमार नूर बीबी पार्किंग ड्यूटी प्वाइंट पर तैनात थे शाम 4:30 पर 7 साल का बालक रोते हुए अकेला मिला प्रशिक्षुओ के द्वारा पूछताछ पर पता चला की बालक अपनी माता से मेले में बिछड़ गया है बालक ने अपना नाम आहिल वा माता का नाम मोना और निवास स्थान बंदायू (उत्तरप्रदेश) बताया प्रशिक्षुओ के द्वार तुरंत कार्यवाही कर बालक को पुलिस कंट्रोल रूम लेजाया गया , कंट्रोल रूम से अनाउंसमेंट करने के बाद बालक को उसकी माता से मिलाया गया माता बालक को देख कर रोने लगी और गले से लगा दिया और प्रशिक्षुओं को खुश होकर अपना आशीर्वाद दिया।

प्रज्ञान और विक्रम को जागने में क्यों हो रही दिक्कत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 सितंबर , भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के वैज्ञानिक कई दिन से चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान को जगाने यानी फिर से सक्रिय करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं. हालांकि, उन्हें अब तक इसमें सफलता हासिल नहीं हो पाई है. इसरो को उम्मीद है कि अगर प्रज्ञान फिर से सक्रिय हो गया तो ये अगली चंद्र रात तक काम करता रहेगा. अगर ऐसा हुआ तो ये अगले छह महीने से लेकर एक साल तक डाटा भेजता रहेगा. हालांकि, अब तक प्रज्ञान और विक्रम ने इसरो के भेजे सिग्नल्स का कोई जवाब नहीं दिया है.

इसरो के मुताबिक, प्रज्ञान और विक्रम को धरती के कमांड सेंटर से नहीं जगाया जाना है. बल्कि, ये खुद ही चांद पर सूर्य की रोशनी फैलने के बाद सौर ऊर्जा से बैटरी चार्ज होने पर खुद ही जाग जाएंगे. बता दें कि इस समय चांद पर दिन है और धूप पड़ रही है. लेकिन, प्रज्ञान और विक्रम की ओर से इसरो को कोई जवाब नहीं मिल पा रहा है. इसके बाद भी इसरो दोनों से संपर्क स्थापित करने की कवायद में जुटा है. जानते हैं कि आखिर क्या-क्या कारण हैं कि इसरो की दोनों को जगाने की हर कोशिश अब तक नाकाम ही हो रही है?

चंद्रमा पर पड़ती है भीषण सर्दी

चांद पर सामान्य तौर पर रात का तापमान माइनस 140 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला जाता है. वहीं, दक्षिण ध्रुवीय इलाके में चंद्र रात का तापमान माइनस 210 डिग्री सेल्सियस से भी ज्यादा तक गिर जाता है. इस भीषण सर्द मौसम में बैटरियों के साथ दूसरे पेलोड्स का बचना करीब-करीब नामुमकिन है. हालांकि, विशेषज्ञ उम्मीद कर रहे हैं कि इसरो ने प्रज्ञान और विक्रम को डिजाइन करते समय इस बात का ख्याल जरूर रखा होगा.

विकिरण बन सकता है समस्या

चांद पर मौजूद विकिरण किसी भी उपकरण या इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है. इसरो ने बताया था कि चांद पर विकिरण का स्तर काफी ज्यादा है. हालांकि, ऐसे हालात के लिए पर्याप्त परीक्षण किए गए हैं. वहीं, चांद पर सूर्योदय के बाद सौर ताप उपकरणों और चार्जर बैटरियों को भी गर्म कर देगा. अगर ऐसा हो पाता है तो सिस्टम फिर से चालू हो जाएगा. अगर ऐसा हुआ तो हम अगले 14 दिन तक घूमकर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्रमा से ज्यादा डेटा हासिल कर पाएंगे.

टीटी के पीछे मत भागिए, मोबाइल बताएगा ट्रेन में सीट खाली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 सितंबर , आज भी कई लोग ऐसे हैं जो ट्रेन से सफर करते हैं। पहले का समय वो था जब ट्रेन की सीट खाली है या नहीं ये जानने के लिए TTE यानी ट्रैवलिंग टिकट परीक्षक के पीछे भागना पड़ता था। अब वो समय है जब आप कुछ क्लिक्स में ही ये जान सकते हैं कि ट्रेन में सीट खाली है या नहीं। इसके लिए आपको IRCTC ऐप या वेबसाइट को लॉगइन भी नहीं करना पड़ेगा। यह आपके लिए ट्रेन में खाली सीटें ढूंढने का एक क्विक और ईजी तरीका है। अगर आपके पास सीट कंफर्म नहीं है तो आप नीचे दिए गए तरीके से आसानी से ट्रेन में खाली सीट चेक कर सकते हैं।

IRCTC वेबसाइट से खाली सीटें कैसे ढूंढेः

स्टेप 1: IRCTC वेबसाइट पर जाएं और फिर मेन पेज पर जाएं। जहां पर बुक टिकट बॉक्स है उसके ऊपर आपको Charts/Vacancy नाम का एक विकल्प दिखेगा।

स्टेप 2: इस पर क्लिक करें। इसके बाद रिजर्वेशन चार्ट खुल जाएगा।

स्टेप 3: पहले बॉक्स में ट्रेन का नाम/नंबर और दूसरे बॉक्स में बोर्डिंग स्टेशन एंटर करें।

स्टेप 4: फिर Get Train Chart पर क्लिक करें। इसमें आपको खाली सीट्स की जानकारी मिल जाएगी।

IRCTC ऐप से खाली सीटें कैसे ढूंढेः

मोबाइल फोन पर आप आधिकारिक IRCTC ऐप का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। यह एंड्रॉइड और iOS दोनों ऐप स्टोर पर मौजूद हैं। एक बार जब यह डाउनलोड और इंस्टॉल हो जाए, तो आप अपने लिए खाली सीट बुक कर सकते हैं। इसके लिए नीचे दिए स्टेप्स को फॉलो करें।

स्टेप 1: IRCTC ऐप खोलें।

स्टेप 2: ट्रेन आइकन पर टैप करें।

स्टेप 3: इसके बाद Chart Vacancy पर क्लिक करें। इससे मोबाइल वेब ब्राउजर पर रिजर्वेशन चार्ट पेज ओपन हो जाएगा।

स्टेप 4: फिर ट्रेन का नाम/नंबर और दूसरे बॉक्स में बोर्डिंग स्टेशन एंटर करें। इसके बाद आपको खाली सीट्स की जानकारी स्क्रीन पर दिखाई देगी।

'जाओ...जाकर मर जाओ' कहना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं : HC

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 सितंबर , महज यह कहना कि 'जाओ-मर जाओ' किसी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आधार नहीं हो सकता. तेलंगाना हाई कोर्ट ने 2009 के एक मामले में आरोपी को बरी करते हुए यह टिप्पणी की. न्यायमूर्ति के. लक्ष्मण और न्यायमूर्ति के. सुजाना की बेंच ने कहा कि जाओ और मर जाओ का बयान भारतीय दंड संहिता की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत उकसाने के घटकों से मेल नहीं खाता है. अदालत ने माना कि आत्महत्या के लिए उकसाने वाला वाक्यांश कुछ भयानक करने के लिए उकसाने का सुझाव देता है. झगड़े के दौरान क्षण भर में गरमागरमी में की गई टिप्पणी का यह मतलब नहीं निकाला जा सकता कि किसी शख्स ने ईमानदारी से सामने वाले व्यक्ति को मरने के लिए कहा हो.

पीड़िता को "जाओ और मर जाओ" कहकर उकसाया

इससे पहले निचली अदालत ने पेश मामले में याचिकाकर्ता को आईपीसी की धारा-417 (धोखाधड़ी), 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा-3 (2) (v) के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. अभियोजन पक्ष का कहना था

अनुसूचित जनजाति समुदाय से आने वाली पीड़ित ने अपीलकर्ता द्वारा उससे शादी करने से इनकार करने के बाद कीटनाशक पी लिया था. कहा गया कि अपीलकर्ता ने पहले कथित तौर पर पीड़िता के साथ बलात्कार करने का प्रयास किया था, लेकिन मामला तब सुलझ गया था जब उसने महिला से शादी करने की इच्छा व्यक्त की.

यह भी नोट किया गया कि मृत्यु से दो महीने पहले तक भी युवक और युवती के बीच "यौन संबंध" थे. बेंच ने आगे कहा कि आरोपी का पीड़िता से शादी करने से इनकार करना पीड़िता की आत्महत्या का कारण नहीं हो सकता, क्योंकि उसकी मां ने जिरह में स्वीकार किया था कि वह किसी अन्य व्यक्ति से शादी करने के लिए सहमत हो गई थी.

अब ये लोग यूज नहीं कर पाएंगे व्हाट्सऐप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 सितंबर , भारत समेत दुनियाभर में व्हाट्सऐप यूजर्स की संख्या आए दिन बढ़ती जा रही है। अपनी प्राइवेसी और सिक्योरिटी के लिए आज यह ऐप हर किसी की पहली पसंद है। कंपनी भी हर महीने यूजर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए नए-नए अपडेट करती रहती है, लेकिन हाल ही में कंपनी ने नए ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए नए अपडेट के साथ, कुछ डिवाइस से अपने सपोर्ट को खत्म कर दिया है, ताकि वह नई टेक्नोलॉजी को विकसित करने पर अधिक ध्यान दे सके।

वहीं अगर आपके पास भी कोई पुराना फ़ोन है तो अब आप उसमे व्हाट्सएप का यूज नहीं कर पाएंगे। हाल ही में कंपनी ने एक घोषणा करते हुए कहा कि 24 अक्टूबर के बाद एंड्रॉयड OS वर्जन 4.1 और पुराने OS पर चलने वाले स्मार्टफोन के लिए सपोर्ट बंद कर देगी। आइए जानते हैं, अब कौन से स्मार्टफोन्स पर व्हाट्ऐप नहीं चलेगा...

अब इन स्मार्टफोन्स पर नहीं चलेगा व्हाट्सऐप

Nexus 7 (एंड्रॉयड 4.2 पर अपग्रेड करने योग्य)

सैमसंग गैलेक्सी नोट 2
HTC वन
सोनी एक्सपीरिया जेड
एलजी ऑप्टिमस जी प्रो
सैमसंग गैलेक्सी एस 2
सैमसंग गैलेक्सी नेक्सस
HTC सेंसेशन
मोटोरोला Droid रेज़र
सोनी एक्सपीरिया S2
मोटोरोला ज़ूम
सैमसंग गैलेक्सी टैब 10.1
आसुस ईई पैड ट्रांसफार्मर
एसर आइकोनिया टैब A5003
सैमसंग गैलेक्सी एस
HTC डिज़ायर एच.डी
LG ऑप्टिमस 2एक्स
सोनी एरिक्सन एक्सपीरिया आर्क3

अपडेट किए बिना फोन हैक होने का डर रहेगा

बता दें कि लिस्ट में मौजूद बहुत से फोन पुराने मॉडल के हैं, जिनका उपयोग आज बहुत ही कम लोग करते हैं। अगर आपके पास अभी भी इनमें से एक फोन है तो आपको एक नया डिवाइस ले लेना चाहिए। ऐसा इसलिए है, क्योंकि न केवल व्हाट्सऐप, बल्कि कई ऐप भी पुराने ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए अपना सपोर्ट बंद कर देते हैं। इसके अलावा नए सिक्योरिटी अपडेट के बिना, आपका फ़ोन हैक होने का डर भी बना रहता है।

अपने स्मार्टफोन का OS वर्ज़न कैसे देखें?

वहीं अब बहुत से लोगों के मन में यह सवाल होगा कि कैसे हम अपने फ़ोन में स्मार्टफोन का एंड्रॉयड OS वर्ज़न देखें तो आपको बता दें कि इसके लिए आपको सबसे पहले अपने डिवाइस पर सैटिंग्स मैन्यू में जाना होगा। सैटिंग्स > अबाउट फोन> सॉफ़्टवेयर डिटेल्स, यहां आपको आपके फोन का वर्ज़न दिखाई देगा।

नवंबर में होगी छप्पर फाड़ कमाई और तरक्की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 सितंबर , सनातन धार्मिक परंपरा में शनि देव को न्याय के देवता के रूप में स्वीकार किया गया है। कहते हैं शनि देव को न्याय बेहद प्रिय है, ऐसे में जो जातक न्यायपूर्वक कार्य करते हैं, उन्हें शनि की विशेष कृपा प्राप्त होती है। वहीं जो लोग न्याय के संगत में नहीं रहते, उन पर शनि की वक्र दृष्टि रहती है। शनि की वक्र दृष्टि से व्यक्ति किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त नहीं कर पाता। ज्योतिषीय गणना के मुताबिक, शनि देव इस वक्त कुंभ राशि में संचरण कर रहे हैं। और आने वाले 4 नवंबर 2023 को कुंभ राशि में ही मार्गी हो जाएंगे। ऐसे में शनि का यह मार्गी कुछ राशियों के लिए भाग्यवर्धक और तरक्कीकारक साबित होगा। आइए

जानते हैं कि नवंबर मास के किन राशियों का भाग्योदय होने वाला है।

वृषभ राशि

नवंबर मास में शनि का मार्गी होना वृषभ राशि वालों के लिए बेहद शुभ साबित होगा। इस दौरान शनि देव की कृपा से नौकरी और रोजगार में तरक्की के कई अवसर प्राप्त होंगे। इसके साथ ही जो लोग आर्थिक परेशानियों से गुजर रहे हैं, उन्हें राहत मिलेगी। इतना ही नहीं, शनि का यह गोचर नौकरीपेशा और व्यापारियों के लिए वरदान के समान साबित हो सकता है।

मिथुन राशि

ज्योतिषीय गणना के मुताबिक, नवंबर मास में शनि का मार्गी होना लाभकारी माना जा रहा है। ऐसे में शनि के मार्गी होने से आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। इसके साथ ही शनि मार्गी की अवधि में जमीन और वाहन खरीदने का योग बनेगा। इस दौरान अटके हुए कार्य पूरे होंगे। इसके अलावा इस दौरान मां लक्ष्मी की विशेष कृपा भी प्राप्त होगी।

सिंह राशि

शनि देव मार्गी होकर सिंह राशि वालों को खूब तरक्की करने वाले हैं। इस दौरान वित्तीय स्थिति सुदृढ़ होगी। जो लोग नौकरी की तलाश में लंबे समय से लगे हुए हैं, उन्हें नवंबर माह में खुशखबरी मिलेगी। व्यापार में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। पैतृक संपत्ति से लाभ होगा।

कन्या राशि

नवंबर माह में शनि देव के मार्गी होने से कन्या राशि वालों को विशेष फायदा होगा। दरअसल शनि देव इस राशि वालों को नौकरी और बिजनेस में खूब तरक्की कराने वाले हैं। इस दौरान धन लाभ के कई योग बनेंगे। इसके साथ ही इस दौरान बिजनेस में तरक्की के भी प्रबल योग बनेंगे। निवेश से आर्थिक लाभ हो सकता है। अगर इस राशि के जातक शनि की पीड़ा झेल रहे हैं, तो उन्हें राहत मिलेगी।

अक्टूबर में बना रहे हैं घूमने का प्लान तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 29 सितम्बर : दुनियाभर में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक जगह मौजूद हैं। ऐसे में घूमने-फिरने के शौकीन लोगों को जब भी टाइम मिलता है, घूमने का मौका नहीं छोड़ते। पर्यटकों के लिए ट्रेवल एजेंसियों से लेकर रेस्टोरेंट या होटल तक नई-नई स्कीम निकालते हैं। अगर आप भी घूमना चाहते हैं, लेकिन समय की कमी के कारण आप कहीं घूमने नहीं जा रहे हैं, तो ऐसे में अक्टूबर आपके लिए बेस्ट महीना साबित हो सकता है। इस महीने में कई छुट्टियां मिलेंगी,तो देश के इन जगहों जरूर एक्सप्लोर करें।हिमाचल प्रदेश में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक जगहें हैं। अगर आप घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यहां घूमने के लिए अक्टूबर महीना सबसे अच्छा है। आप यहां प्रकृति के सुंदर दृश्यों का आनंद ले सकते हैं।

अक्टूबर का महीना पैराग्लाइडिंग करने के लिए बेस्ट माना जाता है । अगर आप एडवेंचर

लवर्स हैं, तो हिमाचल प्रदेश में इस एक्टिविटी का भी आनंद ले सकते हैं।नैनीताल पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। यहां साल भर सैलानियों की भीड़ लगी रहती है, आप हर मौसम में इस शहर की खूबसूरती को देख सकते हैं। यह पर्यटकों की पसंदीदा जगहों में से एक है। अगर आप वीकेंड पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो नैनीताल बेस्ट ऑप्शन हो सकता है अक्टूबर में घूमने के लिए गोवा भी शानदार विकल्प है। यहां का अंजूना बीच काफी फेमस है। इस बीच को देखने देश-विदेश से लोग आते हैं। इसके अलावा आप यहां वागाटोर बीच, बम्बोलिम बीच बस्तरिया मार्केट आदि जगहों का दीदार कर सकते हैं।

मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे फरियादियों की सुनी समस्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 29 सितम्बर। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून हाथी बड़कला स्थित कैंप कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोगों की समस्याओं को सुना। इस दौरान विभिन्न जगहों से पहुंचे फरियादियों ने मंत्री गणेश जोशी के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा।

■ मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

जिसपर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मौके पर ही कई फरियादियों की समस्या का संबंधित अधिकारियों को टेलीफोन के माध्यम से शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

अभिनेत्री कंचन अवस्थी को मिला नया एंडोर्समेंट : अर्थरागा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 29 सितम्बर : सांस्कृतिक शहर लखनऊ से आने वाली कंचन अवस्थी न केवल एक बहुमुखी अभिनेत्री हैं, बल्कि प्राउड इंडियन पार्लियामेंट अवार्ड की विजेता भी हैं। वह अपने चाहने वालों को अपने जीवन में फिटनेस और कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करती हैं। अंकुर अरोड़ा मर्डर, फ्रॉड सैया और गनवाली दुल्हनिया जैसी फिल्मों और अम्मा जैसे टेलीविजन शो में अपने अभिनय के लिए मशहूर कंचन अवस्थी की एक बड़ी फैन फोलोविंग हैं।

हाल ही में अभिनेत्री कंचन अवस्थी को एवन साइकिल का ब्रांड एंबेसेडर नियुक्त किया गया है। एवन साइकिल के सीएमडी ओंकार सिंह ने यह जानकारी स्वयं अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। इस अवसर पर एवन साइकिल्स के सीएमडी ओंकार सिंह ने बताया ₹हम अपने ब्रांड एंबेसडर के रूप में कंचन अवस्थी का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं। उनकी ऊर्जा, करिश्मा और स्वस्थ जीवन शैली के प्रति समर्पण एवन साइकल्स के दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल खाता है। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य फिटनेस, स्थिरता और साइकिल चलाने के आनंद को बढ़ावा देना है। यह साझेदारी समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने की एवन साइकल्स की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अभी हाल में ही एवन साइकल्स ने अभिनेत्री कंचन अवस्थी के साथ एक एड कैंपेन शूट किया हैं जिसे जल्द ही प्रिंट, ऑनलाइन के साथ ही विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म पर दर्शक देख

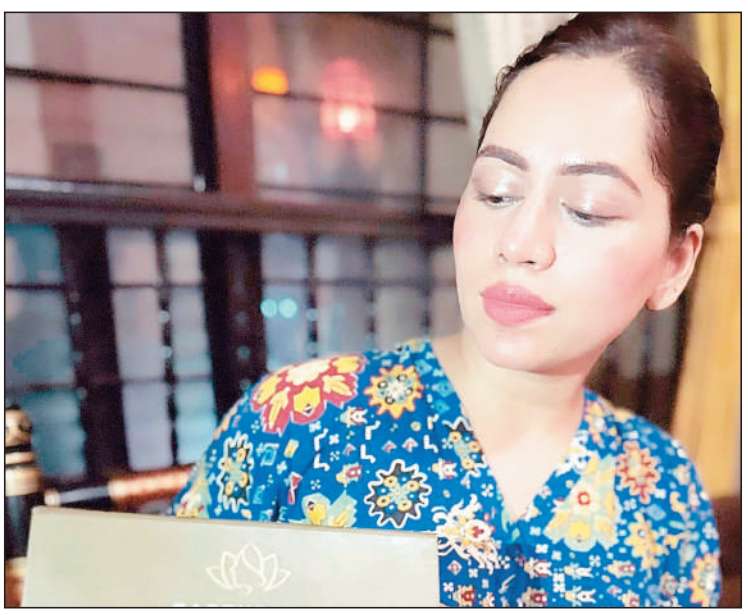

सकेंगे इस अवसर पर अभिनेत्री कंचन अवस्थी ने कहा कि मैं एवन साइकल्स के साथ इस नए एसोसिएशन को लेकर बहुत उत्साहित हूँ एवन साइकल्स एक ऐसा ब्रांड जो फिटनेस और पर्यावरण-अनुकूल जीवन के लिए हमेशा अग्रणी रहता है। मुझे हमेशा साइकिल चलाना पसंद रहा है, जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान करता है बल्कि तनाव फ्री रहने में भी सहायता करता है। इस कैंपेन में मेरा लक्ष्य लोगों को साइकिल को एक स्वस्थ जीवन शैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना है। आपको बता दें कंचन अवस्थी को उनका नया एंडोर्समेंट अर्थरागा मिला। जो कि एक ब्यूटी प्रोडक्ट है । कंचन कहतीं हैं कि उनकी ग्लोइंग स्किन का राज है- अर्थ रागा प्रोडक्ट। क्योंकि यह एक आर्गेनिक प्रोडक्ट है। वह आगे कहतीं हैं इंडोर्समेंट की दुनिया ही अलग है और मुझे बहुत मज़ा आ रहा है। मैं अपने काम को एंजॉय कर रही हूँ और अपने सपने को जी रही हूँ। इस वक्त कंचन दो बड़े ब्रांड्स को प्रमोट कर रही हैं, आगे और भी उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स हैं वेब सीरीज में - लाल बत्ती, हँसी तो फँसी, किस मार्क. फिल्म्स हैं-

दरगार पिरान कलियर में पहली बार गूंजा राष्ट्रगान 'जन गण मन'

■ हिन्दू मुस्लिम एकता ज़िंदाबाद जैसे नारों से दरगाह गूँज उठा
■ वक़्फ़ बोर्ड अध्यक्ष हाजी शादाब शम्स के संयोजन में पहली बार नज़ारा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की , 29 सितंबर , देवभूमि के पांचवे धाम प्रसिद्ध सूफी संत हज़रत मखदूम साबिर पाक के उर्स मेले की शुरुआत पीरान कलियर साबरी जर्मन हेंगर में इतिहास में पहली बार सर्वधर्म सद्भवना सम्मेलन के साथ हुई। जिसमें हर धर्म,हर वर्ग,हर पार्टी और हर विचारधारा के लोगो ने भारी संख्या में भाग लिया। इस सम्मेलन का शुभारंभ कलियर में पहली बार राष्ट्रीय गान " जन गण मन" से किया गया

पिरान कलियर में नए भारत की खुशनुमा शाम सजाई – शादाब शम्स

उत्तराखण्ड वक्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स की सोच और धामी सरकार में मज़हबी भाईचारे का पैगाम देती इस शाम में पहली बार गंगा जमुनी तहज़ीब की धारा बहती दिखी जिसमें सूफियों,सज्जादों, संतो,फ़िल्म कलाकारों, राजनेताओं, पत्रकारों व समाजसेवियों ने एक आवाज़ में "साबिर बाबा की जय" हिंदुस्तान ज़िंदाबाद, और हिन्दू मुस्लिम एकता ज़िंदाबाद जैसे नारों में जमकर गोते लगाए

कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तराखण्ड वक्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने की । जबकि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी मुख्य अतिथि के रूप में शरीक हुए।कार्यक्रम "एक शाम साबिर बाबा के नाम" सूफी संगीत का ऐसा अदभुत कार्यक्रम रहा जिसमे श्रोता देर रात तक मस्त रहे वक़्फ़ बोर्ड अध्यक्ष हाजी शादाब शम्स के संयोजन में पहली बार देश के सूफी गायकी व फ़िल्म जगत से जुड़े कलाकारों ने भाग लेकर अपनी प्रस्तुति दी।वक़्फ़ बोर्ड के सी ई ओ एस एस उस्मान ने सभी साबरी मेहमानों का स्वागत किया ।

विख्यात फ़िल्म डारेक्टर ,लेखक व मुस्लिम विचारक जिन्होंने सामवेद का हिंदी और उर्दू में अनुवाद किया है ने सम्मेलन में विशिष्ठ अतिथि के रूप में भाग लेकर कहा कि मेरे लिए ये सौभाग्य की बात है कि उत्तराखंड की धामी सरकार की ओर से साबिर पाक की पवित्र और सौहार्द की धरती पर मुझे आमंत्रित कर सम्मान दिया जो मेरे लिए सबसे बड़ा अवार्ड है।सम्मेलन के मुख्य अतिथि भाजपा के अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि इस उर्स के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सद्भवना चादर भेजी है और देश की तरक्की, खुश हाली औऱ सबका साथ सबका विकास की भावना पेश करते हुए विश्व शान्ति और मानव कल्याण की प्रार्थना की है।

सम्मेलन के अतिविशिष्ट अतिथि जीवन दीप आश्रम के पीठाधीश्वर व श्री दशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी यतिंदरानन्द गिरी जी महाराज और भारत माता मंदिर हरिद्वार के महामंडलेश्वर स्वामी ललितानन्द गिरि जी महाराज ने ने कहा कि सनातन धर्म सभी धर्मों का आदर और सम्मान करता है हमारे धर्म मे सर्वधर्म समभाव और वसुधैव कुटुंकम का संदेश सदियों से देता रहा है और ऐसी ही अपेक्षा दूसरे धर्मों से भी करता है। यही उन्नति और कल्याण का मार्ग है।

रुड़की कैथोलिक चर्च के ईसाई धर्मगुरु फादर एस के मसीह,हरिद्वार सिख समाज के प्रतिनिधि सरदार गुरविंदर सिंह अरोरा रिंकल, कर्नल एस कोहली, अजमेर के गद्दी नशीन मोहसिन चिश्ती, कलियर के सज्जादा परिवार के शाह यावर मिया साबरी, शाह ग़ाज़ी मियां, सीकरी शरीफ के अदील मियां लतीफी, बरेली दरगाह सयैद नासिरी के नायब सज्जादा शाह सलमान नासिरी, बाबा जीलानी का खलीफा व पानीपत दरगाह के ख़ादिम सयैद मेराज हुसैन साबरी,उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष नवाब मज़हर नईम, हज कमेटी के अध्यक्ष हाजी खतीब अहमद, शामिल रहे।

नैनीताल : भवाली निवासी सुबोध ने फतेह की माउंट रुद्रगैरा पर्वत चोटी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 29 सितम्बर : एस एस बी के अभियान दल में शामिल आठ सदस्यीय दल ने 5819 मीटर ऊँचाई पर स्थित माउंट रुद्रगैरा पर्वत श्रृंखला पर फतेह हासिल कर तिरंगा फहराया है अभियान दल का नेतृत्व नगर निवासी एस एस बी में फील्ड अफसर सुबोध चंदोला ने किया भारतीय पुलिस पदक व गृह मंत्री पदक से सम्मानित सुबोध इससे पहले एवरेस्ट, कॉमेट, सतोपंथ,अभिगामीन,गंगोत्री वन,भगीरथी टू,त्रिशूल सहित विभिन्न पर्वत पर तिरंगा फेहरा चुके है अभियान के तहत कुल 29 सदस्यीय आरोहण दल में से 20 से ज्यादा ट्रेनी रुद्रगैरा स्थित बेस कैम्प में ही रुके जहा से आठ सदस्य पर्वतारोहियों ने आगे का सफर तय किया।

अभियान के तहत 14 सितम्बर को रुद्रगैरा बेस कैम्प से रवाना होने के बाद 22 सितम्बर सुबह 10:30 पर दल ने रुद्रगैरा पर्वत चोटी पर झंडा फहराया जिसके बाद 22 सितम्बर की देर शाम रुद्रगैरा बेस कैम्प पहुचने के साथ ही 27 सितम्बर को गंगोत्री वापस पहुचे फील्ड अफसर सुबोध ने बताया कि दल को पर्वतारोहण के

दौरान भारी बारिश ठंड सहित काफी मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा अभियान दल में शामिल रहे जिनमे फील्ड अफसर सुबोध चंदोला मुख्य आरक्षी कैलाश चन्द्र जोशी आरक्षी नरेंद्र सिंह दिलदार सिंह प्रदीप सिंह प्रबल प्रताप सिंह अरविंद कुमार घाघरे इंद्र सिंह सिंह शामिल रहे।उनकी इन उपलब्धि पर नगरवासियो सहित उनके परिवाजनों गुरुजनों के हर्ष व्यक्त किया है।

'ऐश्वर्या मैडम लिंक भेजा है, ओपन करिए'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 सितंबर , साइबर अपराधियों के चंगुल में कहीं आप न फंस जाएँ इसके लिए ये खबर ज़रूर पढ़ लें क्योंकि खुद महिला पुलिस अफसर इसकी शिकार हो गयी है। मुरादाबाद जिले में एक ट्रेनी डिप्टी एसपी साइबर ठगी का शिकार हो गईं. ठगों ने उनके खाते से करीब दो लाख रुपए पार कर दिए. डिप्टी एसपी का नाम ऐश्वर्या उपाध्याय है. वह इस समय डॉ. भीमराव अंबेडकर पुलिस अकादमी में ट्रेनिंग कर रही हैं.

क्या आप हैं सावधान ?

बैखौफ साइबर अपराधियों के चंगुल से अब पुलिस के अधिकारी भी नहीं बच पा रहे हैं. साइबर ठगों ने मुरादाबाद की डॉ. भीमराव अंबेडकर पुलिस अकादमी में ट्रेनी डिप्टी एसपी को अपना शिकार बना लिया. ठगों ने कोरियर कंपनी के बहाने उनके दो बैंक खातों से 1,95,183 रुपए निकाल लिए. ठगी का शिकार हुईं अंडर ट्रेनिंग डिप्टी एसपी ऐश्वर्या उपाध्याय ने सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कराया है.

डॉ. भीमराव अंबेडकर पुलिस अकादमी में पुलिस उपाधीक्षक का प्रशिक्षण हासिल कर रहीं ऐश्वर्या उपाध्याय ने बताया कि एक कंपनी से उनका कोरियर आना था, जो समय पर नहीं पहुंच पाया. पार्सल न मिलने पर उन्होंने गूगल पर कंपनी का हेल्पलाइन नंबर सर्च किया. नंबर मिलने पर उन्होंने पार्सल न मिलने की शिकायत की. कॉल रिसीव करने वाले व्यक्ति ने उनसे उनका फुल एड्रेस दर्ज न होने की वजह से कोरियर डिलीवरी न होने का कारण बताया. साथ ही एड्रेस अपडेट करने के लिए कहा.

ऐश्वर्या ने जब पूरा पता अपडेट कराया तो कॉल सेंटर में बैठे व्यक्ति ने ईमेल आईडी से एक लिंक भेजने की जानकारी दी. कॉल सेंटर से मिले निर्देश के अनुसार, उस लिंक को उन्होंने क्लिक कर दिया और बताए गए नंबर पर उस लिंक को सेंड कर दिया. उसके बाद उनके मोबाइल पर मैसेज आना शुरू हो गए. मैसेज देख ऐश्वर्या उपाध्याय के होश उड़ गए. यूपीआई के जरिए उनके खाते से कई ट्रांजैक्शन में 1,95,183 रुपए गायब हो गए.ट्रेनी डिप्टी एसपी ऐश्वर्या उपाध्याय ने साइबर सेल पुलिस को अपने आप को साइबर ठगों द्वारा ठगे जाने की शिकायत दर्ज कराई. मुरादाबाद एसएसपी हेमराज मीणा ने मामले का संज्ञान लेते हुए बताया कि एक साइबर अपराध की घटना घटी है, जिसकी जानकारी पुलिस को मिली है. पूरे मामले को लेकर सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. जल्द ही आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

HP ने भारत में क्रोमबुक के निर्माण के लिए गूगल के साथ मिलाया हाथ

ब्यूरो रिपोर्ट 29 सितम्बर : पीसी निर्माता एचपी ने दो अक्टूबर से भारत में क्रोमबुक के निर्माण के लिए गूगल के साथ हाथ मिलाया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एचपी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, क्रोमबुक उपकरणों का निर्माण चेन्नई के पास फ्लेक्स फैसिलिटी में किया जाएगा।

एचपी वहां अगस्त 2020 से लैपटॉप तथा डेस्कटॉप की एक श्रृंखला का उत्पादन कर रहा है। एचपी इंडिया के वरिष्ठ निदेशक (पर्सनल सिस्टम) विक्रम बेदी ने कहा, '' भारत में क्रोमबुक लैपटॉप के निर्माण से भारतीय छात्रों की किफायती पीसी तक आसान पहुंच मुमकिन होगी।

अपने विनिर्माण परिचालन का और विस्तार करके हम सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल का समर्थन करना जारी रखेंगे।'' गूगल के शिक्षा प्रमुख (दक्षिण एशिया) बानी धवन ने कहा, '' एचपी के साथ क्रोमबुक का स्थानीय स्तर पर उत्पादन भारत में शिक्षा के डिजिटल बदलाव के समर्थन को जारी रखने के हमारे प्रयासों के अनुरूप है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज की बहुत उत्साहवर्धक रही देहरादून यात्रा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 29 सितंबर , सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख संत राजिन्दर सिंह जी महाराज का दो दिन की देहरादून यात्रा बहुत ही उत्साहवर्धक और खुशी से भरपूर रही। विश्व-विख्यात आध्यात्मिक गुरु संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने मानव केन्द्र की पवित्र धरती पर आध्यात्मिक सत्संग व नामदान की दात दी। फरवरी 2015 के बाद दो दिन के इस सत्संग कार्यक्रम में हजारों की संख्या में आए भाई-बहनों ने संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के दर्शनों से लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन 28 सितंबर, 2023 को मानव केन्द्र में सत्संग से पहले उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री हरीश रावत जी ने महाराज जी का फूलों का देकर स्वागत किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। 28 सितंबर को संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने संत कबीर साहब की वाणी की व्याख्या करते हुए आत्मा को जागृत करने के बारे में बताया। कार्यक्रम की शुरुआत पूजनीय माता रीटा जी द्वारा संत कबीर साहब की दिल को छू जाने वाली वाणी से गाए गए "जाग प्यारी अब का सोवे (हे इंसान तु जाग, अभी तक क्यों सोया हुआ है।) शब्द से हुई। उसके पश्चात संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने अपनी दिव्यवाणी में समझाया कि हमें अपने जीवन के परम ध्येय अपने आपको जानना और पिता-परमेश्वर को पाने के लिए अंदर से जागृत होना होगा।

एक इंसान होने के नाते हम अपने जीवन का अधिकतर समय और प्रयास इस दुनिया की बाहरी गतिविधियों में ही खर्च कर देते हैं। मन-इंद्रियां के घाट पर जीते हुए हम यह विश्वास करते हैं कि इस भौतिक दुनिया और उसके कार्य ही हमारे जीवन में सब कुछ हैं लेकिन वास्तविकता में हम एक आत्मा हैं जो पिता-परमेश्वर के प्रेम और प्रकाश से भरपूर है। आगे महाराज जी ने कहा कि संत कबीर साहब हमें समझा रहे हैं कि हम अपने मूल स्वरूप जोकि आत्मा को पहचानें और जागृत अवस्था को प्राप्त करें।

सत्संग के पश्चात संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने हजारों की संख्या में उपस्थित भाई-बहनों को अपनी दयामेहर कर नामदान की अमूल्य दात दी। उन्होंने नामदान के समय लोगों को प्रभु की ज्योति व श्रुति की दो बैठकों में बिठाया तथा उनके बीच जाकर उन्हें अपना आशीर्वाद दिया। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज के सत्संग कार्यक्रम में सिर्फ देहरादून से ही नहीं बल्कि भारत के विभिन्न राज्यों के हजारों लोगों के अलावा विदेशों से आए भाई-बहनों ने भी भाग लिया।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज गैर-लाभकारी संगठन सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख हैं, जिसे पूरे विश्व में आध्यात्मिक विज्ञान के रूप में भी जाना जाता है। संत राजिन्दर सिंह जी महाराज का जीवन और कार्य लोगों को मनुष्य जीवन के मुख्य उद्देश्य को खोजने में मदद करने के लिए प्रेम और निःस्वार्थ सेवा की एक लगातार चलने वाली यात्रा के रूप में देखा जा सकता है। पिछले 34 वर्षों से उन्होंने जीवन के सभी क्षेत्र के लाखों लोगों को ध्यान-अभ्यास की विधि सिखाकर उन्हें उनके वास्तविक स्वरूप यानि आत्मिक रूप से जुड़ने में मदद की है। उनका संदेश आशा, प्रेम, मानव एकता और निःस्वार्थ सेवा का संदेश है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ध्यान-अभ्यास की एक सरल विधि सिखाने के लिए पूरी दुनिया में यात्रा करते हैं, जिसका अभ्यास स्त्री हो या पुरुष, बीमार हो या स्वस्थ, चाहे वह किसी भी उम्र, धर्म व जाति का हो, कर सकता है। इस विधि को 'सुरत शब्द योग' या 'प्रभु की ज्योति और श्रुति का मार्ग' भी कहा जाता है।उन्हें ध्यान-अभ्यास पर आधारित सेमिनारों और पुस्तकों के माध्यम से लाखों लोगां को ध्यान-अभ्यास सिखाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। उनकी प्रमुख पुस्तकें 'डिटॉक्स द माइंड, 'मेडिटेशन एज़ मेडिकेशन फॉर द सोल' और 'ध्यान-अभ्यास के द्वारा आंतरिक और बाहरी शांति' प्रमुख हैं। उनकी कई डीवीडी, ऑडियो बुक और आर्टिकल्स, टीवी, रेडियो और इंटरनेट पर उपलब्ध हैं।

संपादकीय

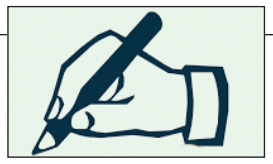

भारत की चैंपियन बेटियां

सिफ्ट कौर सामरा 50 मीटर राइफल की निशानेबाजी की नई एशियाई चैम्पियन बनी हैं, लेकिन वह विश्व चैम्पियन भी हैं, क्योंकि उन्होंने एक साथ विश्व रिकॉर्ड और एशियन रिकॉर्ड स्थापित कर स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने 469.6 अंक हासिल कर विश्व कीर्तिमान रचा है। 1986 में सोमा दत्ता ने इसी 3 पोजिशन में, सियोल एशियन खेलों में, रजत पदक जीता था, लिहाजा ऐसी कामयाबी वाली, सभी वर्गों में, वह भारत की प्रथम निशानेबाज हैं। सिफ्ट ने टीम स्पर्धा में भी रजत पदक हासिल किया है। हांगझोउ एशियन खेलों का चौथा दिन, भारत के लिहाज से, बेहद खुशगवार रहा। पदकों की खूब बौछार हुई। सिफ्ट के अलावा ईशा सिंह, मनु भाकर, रिद्म सांगवान की तिकड़ी ने भी 25 मीटर पिस्टल की टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। आशी सिंह, माणिनी सरीखी पदकवीर बेटियों का नाम भी विजेताओं की श्रेणी में रखा जाएगा। भारत की इन सामान्य-सी बेटियों ने आसमान छूकर 'मां भारती' को सम्मानित किया है और खुद को 'असाधारण' साबित किया है। एशियन खेल या राष्ट्रमंडल खेलों के मुकाबले हों अथवा विश्व चैंपियनशिप, ओलंपिक के मैदान हों, खेलों में प्रतिद्वंद्विता गला-काट होती है। एक-एक अंक के लिए जद्दोजहद की जाती है। भारत की बेटी सिफ्ट ने, 7.3 अंकों के फासले से, चीनी खिलाड़ी को मात देकर विश्व कीर्तिमान अपने नाम किया है। ब्रिटेन के नाम पुराने कीर्तिमान को पोंछ दिया है। यकीनन यह गगनचुंबी सफलता और उपलब्धि है। गौरतलब तो यह है कि फरीदकोट (पंजाब) के एक किसान घर और चावल का कारोबार करने वाले परिवार की बेटी सिफ्ट की प्राथमिकता निशानेबाजी नहीं थी। वह एमबीबीएस की छात्रा है। जाहिर है कि 'डॉक्टर साहिबा' बनने की राह पर हैं, लिहाजा सिफ्ट खुद को 'आकस्मिक निशानेबाज' मानती हैं। मेडिकल से मेडल तक की यात्रा 22 वर्षीय बेटी के लिए बड़ी असमंजस भरी रही होगी, लेकिन सिफ्ट ने माता-पिता की सलाह पर 'निशानेबाज' बनना तय किया। आज वह जिस मुकाम पर हैं, खुद इतिहास लिख रही हैं। 25 मीटर पिस्टल की रजत पदक विजेता ईशा सिंह को हरेक गोली की आवाज 'संगीत का सुर' लगती है। मनु भाकर एक विख्यात नाम है, लेकिन वह टोक्यो ओलंपिक समेत कुछ प्रतियोगिताओं में असफल रही थीं, लेकिन इस बार गले में 'पीला तमगा' पहन कर, ऊपर उठते 'तिरंगे' को देखते हुए, राष्ट्रगान सुनकर प्रसन्न होंगी। दरअसल खेल की दुनिया में ऐसी बेटियों का भी सार्वजनिक उल्लेख निरंतर किया जाना चाहिए, उन्हें सुर्खियों में छापा जाना चाहिए, वे हाशिए का चेहरा नहीं हैं, क्योंकि एक खिलाड़ी के तौर पर वे भी 'चैम्पियन' बनती हैं। आज मणिपुर के हालात पूरे देश के सामने हैं। रोशिबिना के मानस और मन में भी हिंसा और अशांति की अनगिनत छवियां अंकित रही होंगी, लेकिन वह वुशु खेल के फाइनल तक पहुंची।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

माया कॉलेज ने 6185 मिलेट कुकीज बनाकर किए तीन लिम्का बुक का ऑफ रिकॉर्ड अटेम्प्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 29 सितंबर: माया ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेस ने आज 1484 वैरायटी की कुकीज बनाने का रिकॉर्ड अटेंप्ट किया यह रिकॉर्ड लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के साथ बनाया जा रहा है जिसमें 1484 वैरायटी की 6185 कुकीज 6 तरह के मोटे अनाज से छात्रों ने बनाई।अधिक जानकारी देते हुए माया कॉलेज की प्रबंध निदेशक डॉ तृप्ति जुयाल सेमवाल ने बताया कि पिछले 6 महीने से लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के अंतर्गत 900 वैरायटी की कुकीज बनाने की तैयारी चल रही थी जिसके अंतर्गत आज कॉलेज में 1484 वैरायटी की मोटे अनाज की 6185 कुकीज बनाने का रिकॉर्ड अटेंप्ट किया गया। जिसकी रिकॉर्डिंग अब लिम्का को भेजी जाएगी और उन्हें पूरी उम्मीद है कि वह इस रिकार्ड को बनाने में सफल रहेंगे।

डॉ. तृप्ति जुयाल सेमवाल ने बताया कि इस सब में कॉलेज के होटल मैनेजमेंट स्टाफ एवं छात्रों की 6 महीने की मेहनत है इसके बाद आज यह कार्य संपन्न हो सका है साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे प्रधान मंत्री मोदी जी ने इस वर्ष को मिलेट ईयर घोषित किया है तो यह आयोजन लोकजन को मोटे अनाज को प्रयोग करने के लिए प्रेरणा देगा। इस पूरे आयोजन में ऑर्गेनिक बोर्ड उत्तराखंड का भी पूरा सहयोग रहा है।

कार्यक्रम में बतौर अतिथि विधायक सहदेव सिंह पुंडीर सर्किल ऑफिसर भास्कर लाल शाह इंस्पेक्टर विकास नगर संजय कुमार, एसओ सहसपुर गिरीश नेगी, असिस्टेंट इंजीनियर पेय जल निगम, दिनेश चंद्र जोशी एवं कॉलेज के संरक्षक श्री मनोहर लाल जुयाल, वाइस चेयरमैन डॉ. आशीष सेमवाल भी मौजूद रहे।

रिकॉर्ड अटेम्प्ट करने वाली टीम में श्रुति क्रांति, होटल मैनेजमेंट डिपार्टमेंट की प्रिंसिपल दीपा चावला, डीन कैंपस डॉ. मनीष पांडेय, ललित मोहन वर्मा, आशुतोष बडोला, योगेश सेमवाल , शेफ लता, शेफ सोनू चौधरी, मानसी, सुमन आदि मौजूद रहे।

स्टाइल क्वीन के ऑडिशन में रमा चोपड़ा, ऋतु और मालविका ने अपनी वॉक से बिखेरा जलवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 29 सितम्बर : स्टाइल क्वीन सीजन 3 का ऑडिशन 24 सितंबर को सरोवर पोर्टिको होटल देहरादून में आयोजित किया गया था। जूरी सदस्यों में मीडिया दिग्गज रचना पांधी, पेजेंट क्राउन धारक प्रीति शर्मा सिंह और प्रसिद्ध टैरो रीडर वर्षा माटा जैसे विभिन्न उद्योगों के प्रसिद्ध नाम शामिल थे। कार्यक्रम का आयोजन आकाश पांडे द्वारा किया गया था, जिसका समर्थन कांग्रेस के वरिष्ठ राजनेता समीर तिवारी ने किया था और पीआर पार्टनर प्रिया गुलाटी के स्वामित्व वाली बैगिट कंसल्टिंग थी।

सम्मानित अतिथि देहरादून की सामाजिक उद्यमिता के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध नाम सुश्री कंचन गुनसोला थीं। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों में रमा चोपड़ा, रितु और मालविका के नाम शामिल थे। इवेंट का ग्रैंड फिनाले 28 अक्टूबर को दिल्ली में ग्लिट्ज़ वेस्टएंड इन महिपालपुर में होगा, फिनाले के लिए सेलिब्रिटी जूरी डॉ. अदिति गोवित्रिकर हैं। अपडेट के लिए प्रतियोगी इंस्टाग्राम पेज को फॉलो कर सकते हैं।

हल्द्वानी : हाजी मतीन सिद्दीकी ने देशवासियों को दी ईद मिलाद-उन-नबी की मुबारकबाद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी 29 सितम्बर : समाजवादी पार्टी के उत्तराखंड प्रदेश प्रभारी हाजी अब्दुल मतीन सिद्दीकी ने समस्त प्रदेश एवं देशवासियों को जश्ने ईद मिलादुन नबी की दिली मुबारक बाद देते हुए । हल्द्वानी के साथ-साथ पूरे प्रदेश में जुलूसे मोहम्मदी शान्ति पूर्वक निकालने के लिये स्थानीय जुलूस की कमेटियों के साथ-साथ स्थानीय व जिला प्रशासनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तराखंड आज भी आपसी भाई चारे का ऐसा गुलदस्ता है।जिसकी मिसाल पूरे देश में देखी जा सकती है।श्री सिद्दीक़ी ने बताया हल्द्वानी मुजाहिद चौक पर हजारों अक़ीदतमंदों के साथ-साथ भारी संख्या में चौपहिया व दो पहिया वाहन ईक्खटटा हुए।

तदुपरांत एक विशाल जुलूस की शक्ल में मुजाहिद चौक से नई बस्ती इंद्रानगर बड़ी व छोटी रोड होते हुए गोपाल मन्दिर लाइन न० 16, 12, चोरगलिया रोड,ताज चौराहा, लाइन न० 1 ईदगाह रोड,मंगल पड़ाव,मीरा मार्ग,नया बाजार,रेलवे बाजार, किदवई नगर, लेन नं 17 होते हुए वापस मुजाहिद चौक पर इखट्टा हुए ।जहाँ पर इमाम हज़रात ने तक़रीर व दुआएँ कराकर समापन किया।जुलूस के दौरान तमाम उलमा दिन आपसी भाईचारे की व आपसी प्यार मोहब्बत की तक़रीरों के साथ-साथ मुल्क की तरक्की व अमनो अमान के लिये दुआ कराते चल रहे थे। साथ ही सारे रास्ते अकीदतमंदों ने सबीलें लगा कर पानी, कोल्ड ड्रिंक, फल,नमकीन, बिस्कुट, खजूर, आदि तक़सीम कर रहे थे।श्री सिद्दीकी ने कहा आज पैग़म्बर हज़रत मोहम्मद साहब का जन्मदिवस है ।

जिन्होंने हमेशा बिना किसी भेदभाव के आपसी मोहब्बत का पैग़ाम दिया था।उनका कहना था ।यदि तुम्हारे पड़ोस या मोहल्ले में कोई भूखा है और तुम्हें मालूम हो चाहे वह किसी भी धर्म जाति का हो और तुम यदि उस भूखे को खाना खिलाया बग़ैर ख़ाना खाते हो तो वह खाना तुम्हारा हराम है। और इससे तुम्हारा रब भी तुमसे नाराज़ होगा। श्री सिद्दीक़ी ने कहा हज़रत मोहम्मद साहब ने हमेशा प्यार मोहब्बत और इंसानियत का पैग़ाम दिया है। आज आपके जन्मदिन के मौके पर सभी लोगों को आपसी भाईचारा व प्यार मोहब्बत के साथ-साथ हमेशा एक दूसरे के दुःख दर्द व ख़ुशी में ईमानदारी से तन,मन,व धन से शरीक होने का संकल्प लेना चाहिये।

शराब और धूम्रपान से बिगड़ रही दिल की चाल : डॉ. पुनीश सदाना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 29 सितंबर , विश्व हृदय दिवस पर मैक्स हॉस्पिटल, देहरादून के हृदय विशेषज्ञों ने हृदय स्वास्थ्य के बारे में लोगो को जागरूक करने के लिए योग , दिनचर्या और खानपान पर कई ज़रूरी जानकारी और सुझाव साझा किया है। आज आपके जीवन और दिल की धड़कन के सलामती के लिए आपका ये जानना ज़रूरी है कि आप किस तरह से अपने दिल की देखभाल कर सकते हैं। इस वर्ष के विश्व हृदय दिवस का आयोजन "Use heart, Know heart" नामक प्रेरणास्पद थीम के तहत किया गया, हार्ट डे पर मैक्स सुपर स्पेशालिटी हॉस्पिटल, देहरादून ने जनता को एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया

भारत में हर साल हृदय रोग या सीवीडी से 17.5 मिलियन मौतें दर्ज की गई हैं। जनता को अपने स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए शिक्षित करने के उद्देश्य से ये आयोजन मीडिया के ज़रिये किया गया लोग एक लंबा, बेहतर और हृदय-स्वस्थ जीवन जीने का प्रयास कर सकें। यहाँ इस पर जोर दिया गया कि एक अदृढ़ जीवनशैली, तनावपूर्ण काम की शर्तों के साथ-साथ एक कमजोरित आहार हृदय रोग के जोखिम को बढ़ावा देने में प्रमुख कारक है। मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, देहरादून में कार्डियक थोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी के डायरेक्टर डॉ. अरविंद मक्कड़ ने कहा, " हाल के वर्षों में युवाओं में हार्ट अटैकों में तेजी से बढ़ोतरी ने व्यापक रूप से हृदय स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की आवश्यकता को प्रमाणित किया है। हृदय रोग, जो वैश्विक मृत्यु का एक प्रमुख कारण है, पिछले पांच वर्षों में भारत में हृदय रोगों में भरी वृद्धि देखी गयी है।इस चिंताजनक हृदय संबंधी आपात स्थितियों और संबंधित बीमारियों में वृद्धि के लिए मुख्य रूप से हमारी आधुनिक, तेज़-तर्रार जीवनशैली और विकसित होती आदतें जिम्मेदार हैं, जो 30 से 40 साल की उम्र के लोगों को प्रभावित कर रही हैं। गतिहीन जीवन शैली, लगातार तनाव, अनिद्रा और धूम्रपान जैसी हानिकारक आदतें अत्यधिक शराब का सेवन हृदय की जीवन शक्ति को नष्ट कर रहा है। इसके अलावा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापे की बढ़ती व्यापकता इस अनिश्चित स्थिति को और बढ़ा देती है। इसके लिए जरूरी है हृदय को स्वस्थ रखने के लिए समाज को जागरूक करने का सामूहिक रूप से

प्रयास होना चाहिए है।"

वही इस मौके पर डॉ. प्रीति शर्मा, डायरेक्टर, कार्डियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून ने कहा "गतिहीन जीवन शैली, लगातार तनाव, अनिद्रा और धूम्रपान जैसी हानिकारक आदतें अत्यधिक शराब का सेवन हृदय की जीवन शक्ति को नष्ट कर रहा है। इसके अलावा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापे की बढ़ती व्यापकता इस अनिश्चित स्थिति को और बढ़ा देती है। साथ हीअपनी पसंदीदा गतिविधि को अपनी दिनचर्या में शामिल करना हृदय के स्वास्थ्य अत्यंत लाभकारी है ।"इस दौरान डॉ. योगेन्द्र सिंह, डायरेक्टर, कार्डियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून ने आगे बताया, "हृदय-स्वास्थ्य के लिए एक स्वस्थ आहार का पालन करना हृदय रोग के खतरे को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। एक संपूर्ण आहार में सभी महत्वपूर्ण पोषक तत्व होने आवश्यक है । भोजन की मात्रा का नियंत्रण एक स्वस्थ हृदय आहार का महत्वपूर्ण भाग है जो की हृदय के स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।"डॉ. पुनीश सदाना, एसोसिएट डायरेक्टर, कार्डियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून द्वारा हृदय स्वास्थ्य पर बुरी आदतों के हानिकारक प्रभाव के बारे में बताते हुए कहा "यह चिंताजनक है कि कई दिल के दौरे और स्ट्रोक से बचे लोग स्पष्ट चेतावनियों के बावजूद हानिकारक व्यवहार पर लौट आते हैं। इन बुरी आदतों में खराब आहार विकल्प, अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि, खराब नींद की गुणवत्ता, अत्यधिक शराब का सेवन, धूम्रपान, दवाओं का समय पर नहीं लेना, रक्तचाप प्रबंधन की उपेक्षा और अनियमित कोलेस्ट्रॉल की निगरानी शामिल।